भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3032**

बुधवार, **21** मार्च, 2018/3**0** फाल्गुन, 1939 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तीर्थ यात्रा को बढ़ावा देने तथा आध्यात्मिक संवर्धन हेतु कार्यक्रम

3032. श्री नारायण लाल पंचारियाः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तीर्थ यात्रा को बढ़ावा देने तथा आध्यात्मिक संवर्धन हेतु कोई कार्यक्रम शुरू किया है**;**

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ग) हाल के बजट में इस प्रयोजनार्थ किए गए बजट आवंटन से संबंधित ब्यौरा क्या है**; और**

(घ) राजस्थान में तीर्थ यात्रा स्थानों सहित इस प्रयोजनार्थ चिन्हित किए गए तीर्थ यात्रा स्थानों से संबंधित ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय अपने अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू मार्केटों में संवर्धनात्मक कार्यकलापों के माध्यम से तीर्थस्थल और आध्यात्मिक संवर्धन केन्द्रों सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों जैसे कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक में विज्ञापन, वैश्विक अभियान के रूप में आउटडोर और ऑनलाइन मीडिया, प्रचार सामग्री का मुद्रण, मेले और प्रदर्शनी में भागीदारी, रोड शो/सेमिनार का आयोजन आदि का संवर्धन करता है।

हाल ही के बजट में इस प्रयोजनार्थ निम्नानुसार बजट आवंटन किया गया है:

वर्ष	कुल बजट आबंटन (करोड़ रु. में)
2017-18	387.59
2018-19	589.24

(घ) : "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)" योजना के अंतर्गत देश में विकास के लिए राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 25 गंतव्यों/शहरों की पहचान की गई है।

ये अमरावती, श्रीसेलम और तिरुपति (आंध्र प्रदेश), कामाख्या (असम), पटना और गया (बिहार), द्वारका और सोमनाथ (गुजरात), हजरतबल और कटरा (जम्मू एवं कश्मीर), देवघर (झारखण्ड), गुरुवयूर (केरल), ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश), त्रिम्बकेश्वर (महाराष्ट्र), पुरी (ओडिशा), अमृतसर (पंजाब), अजमेर (राजस्थान), कांचीपुरम और वेल्लांकानी (तमिलनाडु), वाराणसी, अयोध्या और मथुरा (उत्तर प्रदेश) बद्रीनाथ और केदारनाथ (उत्तराखण्ड) तथा बेलूर (पश्चिम बंगाल) हैं।

****